ये अव्यक्त इशारे

संस्कार मिलन की रास करो

11-04-2024

सदैव यही कोशिश करनी है कि मेरी चलन, संकल्प, वाणी, हर कर्म सुखदाई हों। यह है ब्राह्मण कुल की रीति। संस्कारों को मिलाने के लिए दिलों का मिलन करना पड़ेगा, इसके लिए कुछ भुलाना पड़ेगा, कुछ मिटाना और कुछ समाना पड़ेगा। यह मेरे संस्कार हैं, यह शब्द भी मिट जाये। इतने तक मिटना है जो पुरानी नेचर बदलकर ईश्वरीय नेचर बन जाये।

Perform the dance of harmonising sanskars.

Always try to make your behaviour, thoughts, words and deeds such that they give happiness. This is the system of the Brahmin clan. In order to harmonise sanskars there has to be a meeting of hearts. For this, you will have to forget some things, erase some things and accommodate some things. Even words such as "This is my sanskar" should no longer emerge. You have to erase everything to the extent that the nature of the past is changed and you develop a Godly nature.